कुल पृष्ठ संख्या-32 (कवर पेज सहित) क्रम संख्या..............................

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

उच्च माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

Candidate's Roll No. In English

(In Figures) | | | | | | | |

(In Words) ....

....

परीक्षार्थी का नामांक हिन्दी में

शब्दों में ....

....

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी [ ] अंग्रेजी [✓]

विषय .... Hindi ....

परीक्षा का दिन ....

दिनांक ....

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।
(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत करें।
(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदारणार्थ : 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांको की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1		19	
2		20	
3		21	
4		22	
5		23	
6		24	
7		25	
8		26	
9		27	
10		28	
11		29	
12		30	
13		31	
14		योग	
15		प्राप्त अंको का कुल योग (Round off)	
16		अंकों में	शब्दों में
17			
18			

परीक्षक के हस्ताक्षर .... संकेतांक | | | | |

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तक के निर्माण में 58 जी.एस.एम. क्रीमवोव कागज ही उपयोग मे लिया गया है। 163 / 2018

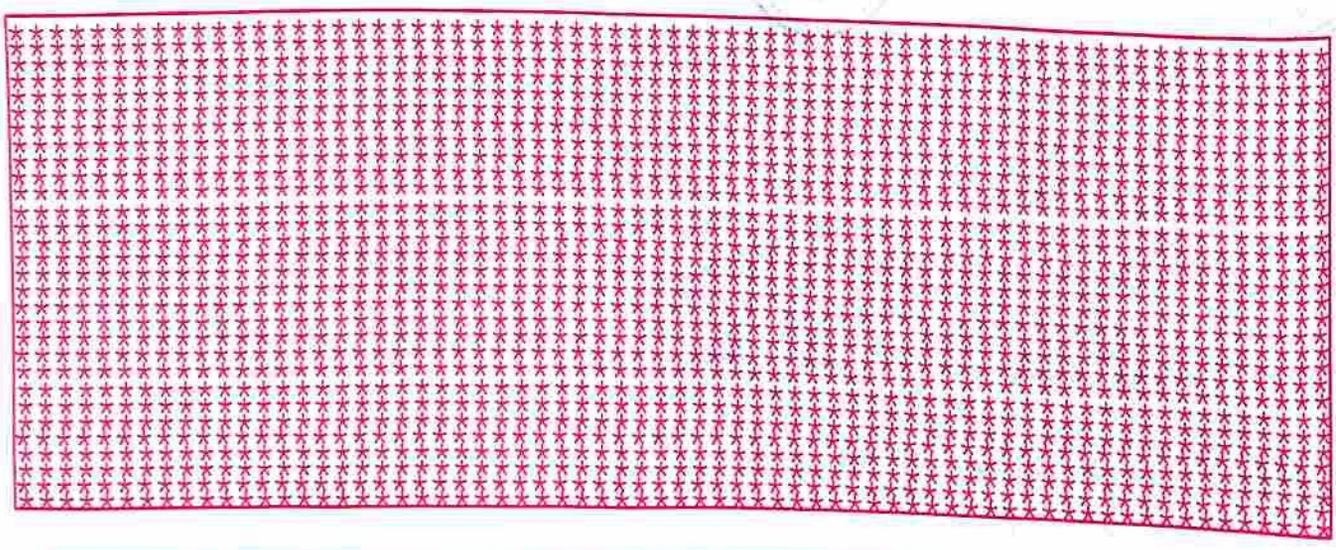

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका पृथक से उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंषा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रोनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध है।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ भी न लिखकर लावें। टेबुल के आस–पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित है। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

द्वारा अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

खण्ड - क

उत्तर 1. अ) समाज के कल्याण के लिए मनुष्य को सर्वप्रथम पारिवारिक शान्ति, सद्‌भाव और प्रेम करना आवश्यक हैं। जिस समाज के लोग मिलकर कार्य करते हैं वहाँ पर सम्पन्नता, श्री उपलब्ध होता है।

उत्तर 1. ब) जिस देश के निवासियों में देश के प्रति गर्व की भावना विद्यमान हो तथा मातृ-भूमि पर स्वाभिमान हो और सह-अस्तित्व और बन्धुत्व की भावना जागृत हो, वह देश प्रसंशनीय है।

उत्तर 2. अ) किसी भी कार्य को प्रारम्भ करने से पूर्व उसके हानि, लाभ, ऊँच, नीच को अपनी बुद्दि के सामर्थ्य से परखना चाहिए। जाति-पाँति व ऊँच-नीच को त्यागना चाहिए।

उत्तर 2. देश के सुधार के लिए हमें यह सोचना चाहिए कि देश को हानि न पहुँचे, देश के उद्धार के लिए निरंतर प्रयत्न

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

करना चाहिए। सर्वथा हमे अपना चित्त परोपकार में लगाना चाहिए।

खण्ड - ख

उत्तर
③. अ) खड़ी बोली हिन्दी ने अपने शब्द - भण्डार का विकास पश्चिमी हिन्दी की बोलियों से किया, जैसे - बाँगरू आदि।

उत्तर ब) हिन्दी व्याकरण शास्त्र वह शास्त्र है जो
③. हमें भाषा को शुद्ध बोलना व लिखना सीखाता है। यह भाषा का प्राण - शास्त्र है।

उत्तर
④. अ - चीन → व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग।

तर -
④. ब) से पहले → काल - वाचक क्रियाविशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग।

द्वारा अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उत्तर

⑤. उपर्युक्त वाक्य में "व्यंजना शब्द-शक्ति" है।

जब वाक्य में शब्द का अर्थ न मुख्यार्थ से और न लक्ष्यार्थ से स्पष्ट हो, अर्थात् कोई अन्य अर्थ ही प्रयुक्त हो तो, उसमें व्यंजना शब्द-शक्ति होती है।

उत्तर

⑥. अजौं तरयौना ... मुकुतन के संग ॥

उपर्युक्त दोहे में "श्लेष अलंकार" है।

इसमें श्लेष अलंकार है क्योंकि इसमें एक ही शब्द के अनेक अर्थ निकल रहे हैं। तरयौना को यहाँ पर कान के आभूषण के लिए, श्रेष्ठ ग्रन्थों के ज्ञाताओं के लिए और राजदरबार में चाटुकारिता करने वालों के लिए प्रयुक्त किया है।

उत्तर

⑦. अ) Schedule → अनुसूची

ब) Project → परियोजना

BSER-16.3/2018

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

उत्तर

⑧.

राजस्थान सरकार

रवि कुमार
शासन सचिव

शिक्षा विभाग
जयपुर

दि. 08 / 03 / 2018
अ.शा.प.क्र - 27(क) / 18

प्रिय समस्त प्रधानों,

राजस्थान राज्य शिक्षा के क्षेत्र में अग्रेषित पथ पर है। राज्य में समस्त शिक्षा संस्थाओं से निवेदन है कि वह संस्थाओं में 'गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा' पर बल देवें।

अतः आपके सहयोग की आशा है।

सधन्यवाद

भवदीय
रवि कुमार

सेवा में,
समस्त संस्था प्रधान
राजस्थान

ISER-16/2018

परीक्षार्थी उत्तर

खण्ड - ग

उत्तर

(10) संदर्भ :- प्रस्तुत पद्यांश पाठ्यपुस्तक 'सृजन' के "कवि रहीम" द्वारा लिखित पाठ "नीति के दोहे" से उद्धृत है।

प्रसंग :- प्रस्तुत दोहे में कवि रहीम ने सत्संगति का महत्व व स्वाभिमान बनाए रखने की सीख दी है।

व्याख्या :- कवि रहीम कहते हैं कि संगति का प्रभाव मनुष्य पर अवश्य पड़ता है। उदाहरण देकर बताते हैं कि स्वाति नक्षत्र में गिरने वाली बूँद केले पर कपूर, साँप के मुँह में विष व सीप में मोती बन जाती है। अतः जैसी संगति करोगे वैसा फल मिलेगा।

कवि स्वाभिमान का महत्व बताते हुए कहते हैं कि भगवान शिव स्वाभिमान के साथ विष पीया था और राहु छुपकर अमृत पीना चाहता था अतः उसे अपना सिर कटवाना पड़ा। अतः स्वाभिमान की रक्षा करो।

विशेष :- i) रहीम ने महत्वपूर्ण सीख दोहे में दी है।
ii) "कदली, सीप ..." में श्लेष अलंकार का चमत्कार" दिख रहा है।
iii) "सरल सहज भाषा" का प्रयोग है।
iv) "परामर्शपरख शैली" का प्रयोग है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उत्तर
(11) संदर्भ :- प्रस्तुत गद्यांश पाठ्यपुस्तक "सृजन" के "लेखक आचार्य रामचंद्र शुक्ल" द्वारा लिखित पाठ "भय" से उद्धृत है।
प्रसंग :- प्रस्तुत गद्यांश में लेखक ने भय के निवारण के लिए कुछ बलों का विवरण दिया है।
व्याख्या :- भय मनोविकार दुःखात्मक संवर्ग का भाव है। भय की छाया को हटाने के लिए मनुष्य ज्ञान बल, हृदयबल (आत्मबल) और शरीरबल का प्रयोग करता है। पहले मनुष्य को भूतों का भय सताता था और भय का रूप पारंपरिक था। पशुओं का भी भय था। सभ्यता के विकास के साथ यह भय का रूप तो हट गया परंतु अब मनुष्य को मनुष्य का ही भय सताता है।
दुःख दान की विधियों में बस जटिलता आई है।
विशेष :- i) लेखक ने भय मनोविकार का विश्लेषण प्रशंसनीय ढंग से किया है।
ii) "सरल व सहज भाषा" का प्रयोग है।
iii) "विचार प्रधान निबंध" है।
iv) "चिंतामणि - भाग - 1" में से संकलित है।

BSER-163/2018

शिक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उत्तर
(12). "लेखक जैनेन्द्र कुमार" ने अपने "विचार प्रधान निबंध बाजार - दर्शन" में बाजार के विविध पक्षों को उजागर किया है।

"बाजार में एक जादू"- इस कथन का तात्पर्य यह है कि बाजार एक साज-सज्जा का भाडागृह है अर्थात बाजार अपने बाहरी सजावट से उपभोक्ताओं को भ्रमित कर अनावश्यक चीजें खरीदने के लिए मजबूर कर देता है। यह जादू आँख की राह काम करता है।
उदाहरणार्थ - विक्रेता अपनी दुकानों को सजाकर ग्राहकों को आकर्षित करते है और इस जादू में आकर अनावश्यक व अनुप्रयुक्त सामान खरीद कर बाजार को एक भयानक शक्ति प्रधान करते है। पाठ के संदर्भ में लेखक के मित्र बाजार सिर्फ कुछ सामान लाने के लिए गए थे परंतु बहुत खरीद लाए।
लेखक कहते है कि यह जादू बाजार को एक व्यंग्य शक्ति प्रदान कर उसे विडम्बना का घर बना देते है जहाँ ग्राहक को ठगा जाता है।

BSEB-16/2018

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उत्तर

(13). गागर में सागर भरने वाले "कवि बिहारी" ने अपने दोहे के गागर में उक्ति-वैचित्र्य, अन्योक्ति, अर्थ-गाम्भीर्य, अलंकारिता का सागर भर दिया है।

प्रस्तुत पाठ के दोहे "अजौं तरयौना ... मुकुतन के संग" में कवि ने अपनी दक्षता प्रस्तुत की है। वह बेसरि का उदाहरण देकर तरयौना आभुषण को कहते है कि बेसरि ने नाक (सम्मान) का स्थान पा लिया है और तुम अभी कान पर ही हो अर्थात संगति की महिमा का वर्णन श्लेष अलंकार के चमत्कार से किया है।

अन्य दोहो में जैसे "लागयौ बिंदी ---" में इन्होंने "वचन - वक्रता" का उदाहरण देख देकर चमत्कार उत्पन्न किया है। कवि बिहारी ने अपने दोहो के माध्यम से "शृंगार (संयोग) रस" की अभिव्यक्ति की है जो "कहत - नटत - रीझत ---" दोहे में स्पष्ट दृष्टिगोचर है।

अतः कवि बिहारी ने अपने दोहो में गागर में सागर भर दिया है।

शिक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उत्तर

(14). कवि सूरदास के दोहों में कृष्ण भक्ति की धारा निर्बाध प्रवाहित होती रहती है। उन्होंने अपने दोहों में कृष्ण की लीलाओं का सुंदर वर्णन किया है। पाठ 'भ्रमर गीत' में उन्होंने गोपियों के माध्यम से योग संदेश पर व्यंग्य कर कृष्ण के प्रति अपनी अगाध श्रद्धा दिखाई है।

अत: 'प्रेमाभक्ति' की अमृतधारा, सूरदास के पदों में निर्बाध प्रवाहित हुई है।

उत्तर

(15). "कवि तुलसीदास" अपने दोहे "सत्य, साहित्य ..." में बुरे समय के साथी बताए है। बुरे समय के साथी है - सत्य, ईश्वर पर भरोसा, सत्साहित्य, विवेक, विनम्रता आदि।

कवि ने इनको बुरे समय के सखा इसलिए बताया है क्योंकि बुरे समय में दुनिया जो कि स्वार्थी है काम नहीं आती है, अर्थात कोई मित्र साथ नहीं देता है। यही सद्गुण है जो उसे बुरे समय में साथ देते हैं।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उत्तर

(16) "डॉ भीमराव अम्बेडकर" ने पाठ मे बताया है कि शासन की दृष्टि में समानता की बात महत्त्वपूर्ण है क्योंकि अगर समाज मे व शासन मे समानता नहीं होगी तो वहाँ पर पक्षपातपूर्ण व्यवहार होगा और लोकतंत्र पर इसका बुरा प्रभाव पड़ेगा।

अतः लोकतंत्र की आवश्यक शर्त है समानता।

उत्तर

(17) "ममता पाठ" मे पिता चूड़ामणि के द्वारा शैशाद सूरी का उत्कोच स्वीकार करने पर ममता के हृदयगत भाव थे कि वह इसे ब्राह्मण समाज के विरुद्ध मानती थी। वह कहती है कि हमें यह सब नहीं चाहिये। दुनिया मे एक मुट्ठि खाना तो कोई भी दे देगा तो फिर यह उत्कोच क्यो? अतः इसमें ममता के "संग्रह न करने की प्रवृत्ति" प्रकट होती है।

द्वारा अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उत्तर
(18).

कवि कुँवर नारायण

जन्म ➤ 1927 ई.

परिचय ➤ कवि कुँवर नारायण को नव आंदोलन के कवियों में श्रेष्ठ स्थान प्राप्त हैं। वह तीसरे तारसप्तक कवि माने जाते हैं। उनके लिए कविता भावनाओं की हाय - हाय न होकर सत्य के प्रति अभिव्यक्ति है।

साहित्यिक परिचय ➤ इन्होंने सरल व सहज खड़ी बोली हिन्दी का प्रयोग कर अपनी रचनाएँ लिखी। इनकी रचनाएँ निम्नलिखित हैं -

i) इन दिनों
ii) अपने सामने
iii) चक्रव्यूह
iv) परिवेश : हमतुम
v) कोई दूसरा नहीं
vi) कविता के बहाने

इनकी रचनाओं में सत्य के प्रति अभिव्यक्ति झलकती है।

BSER-16/3/2018

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

उत्तर

(19) बिम्बधर्मी कवि के नाम से विख्यात कवि "शमशेर बहादुर सिंह" ने अपनी कविता में नए धरेलू उपमानों का प्रयोग कर प्रयोगवाद की झलक दिखाई है। इनके द्वारा प्रयोग किए उपमान हैं -

i) नीला शंख।
ii) राख से लीपा चौका।
iii) केसर से धुलि सिल।
iv) चौक मलि स्लेट।
v) समुद्र में गौर वर्ण स्त्री।

अतः 'भाषा, बिम्ब और लय का अद्भुत संयोग इसमें दिखता है।

उत्तर

(20) बसन्त की दो चारित्रिक विशेषताएँ हैं -

i) सफाई की सनक से दूर → बंसत को भी सफाई पसंद है पर वो सफाई के प्रति अतिरंजित विचार नहीं रखता है।

ii) यर्थायवादी → बंसत यर्थायवादी है, उसे जीवन के मूल्यों का ज्ञान है।

द्वारा अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

खण्ड - घ

उत्तर (21). 'मनुष्य और उसके काम' के प्रति गांधीजी के यह विचार थे कि व्यक्ति को स्वावलम्बी होना चाहिए, परावलम्बी नहीं। अतः उसे अपने कार्य स्वंय करने चाहिए और दूसरों पर आश्रित नहीं रहना चाहिए। इससे मनुष्य के स्वास्थ्य पर अनुकूल प्रभाव पड़ता है।

उत्तर (22). 'कल; देखते नहीं, यह रेशम से कढ़ा हुआ सालु' - इस कथन से लहनासिंह के ह्रदय पर चोट के समान प्रभाव पड़ा। लहनासिंह को उस लड़की से "निश्छल प्रेम" हो गया था और यह सुनकर उसका ह्रदय विचलित हो उठा। यहाँ इसमें मनोवैज्ञानिकता का पुट है।

उत्तर (23). जब महादेवी वर्मा को यह पता चला कि गौरा को गुड़ में सुई खिलाई गई है और वह रक्त संचार के साथ ह्रदय तक पहुंच गई है - इस बात का पता चलने पर महादेवी को

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

कष्ट व आश्चर्य की अनुभूति हुई।

उत्तर

(24). देवनारायण जी, रामदेव जी व संत जम्भेसर को राजस्थान का गौरव कहा जाता है। क्योंकि उन्होंने समाज मे समरसता, समानता, कष्टो का निवारण किया था।

देवनारायण जी :- (1142 :-जन्म)
देवनारायण जी बगड़ावत नागवंशीय गुर्जर थे। राज्य में राणा दुर्जनसाल के अत्याचार व्याप्त थे, इसलिए इनकी माता सोढी इन्हे अपने पीहर कामर ले आई। यही इनका लालन-पोषण हुआ और यही इन्होने शस्त्र-शास्त्र, व तंत्र विद्या सीखी। फिर इन्होने राणा दुर्जनसाल के साथी को एक-एक कर हराया और राज्य मे अमन व चैन, शांति का वातावरण बनाया। इनके चमत्कार है - नीलदे की कुरूपता दूर करना, सारंग सेठ को पुनः जीवित करना आदि।
इन्होने नीम व गोबर का महत्त्व भी बताया।

BSER-163/2018

क द्वारा अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

रामदेव जी :-
पोकरण मे 1409 को जन्मे बाबा रामदेव ने बचपन में ही कहावत "पूत रा पग पालणे दीखे" को दिखाया। बड़े होने पर उन्होंने भैरव तांत्रिक को मारकर क्षेत्र मे शांति बनाई।
इनका दलित वर्ग से लगाव था इसलिए इन्होंने "जम्मा-जागरण" आंदोलन चला उन्हें अच्छाईयो की तरफ प्रवृत किया। इनके चमत्कार है बहन सुगना के बेटे को जीवित करना, पांचो पीर के कटोरे पल भर कर उनके सामने रखना आदि।

संत जम्भेसर :-
भारतीय संस्कृति प्रकृति प्रदत्त समाज में है, ऐसे ही समाज के तत्त्वान्वेषी व उद्घोदक थे - संत जम्भेसर। इन्होंने प्रकृति के लिए 20 नियम दिये थे, इन्हे मानने वाले बिश्नोई कहलाई। इन्होंने ईब्राहिम लोदी को भी गौ हत्या से रोक दिया था।
इनके कदम पर चलते हुए ही जोधपुर में खेजड़ली गांव में प्रकृति संरक्षण के लिए 363 लोगो ने अपने प्राण दिए थे।

BSER-16-3/2018

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

खण्ड - ड

उत्तर

(25) टीवी समाचारों की विशेषताएँ निम्नलिखित है -

i) इन समाचारों के लिए विशेष बुलेटिन तैयार किए जाते है।

ii) टीवी समाचारों की एक समय सीमा होती है।

iii) टीवी समाचारों की लिए एंकर को प्रभावशाली होना चाहिए।

iv) समाचारो की भाषा सरल व सहज होनी चाहिए क्योंकि यह साक्षर व निरक्षक दोनों के लिए आवश्यक है।

उत्तर

(26) संपादक के नाम पत्र लिखते समय निम्नलिखित बातों को ध्यान मे रखना चाहिए -

i) वह पत्र लोगों के लिए प्रासंगिक होना चाहिए।

ii) उसमें तार्किकता व्यक्तिगत आधार पर नहीं होनी चाहिए।

iii) वह किसी के विरुद्ध नहीं होना चाहिए।

iv) उसमें सामयिक जानकारी होनी चाहिए।

द्वारा अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उत्तर

(27). किसी साक्षात्कार को लिखने के बाद व प्रकाशन से पहले निम्नलिखित कार्य करने चाहिए -

i) संपादक को उसमे त्रुटियाँ सही करनी चाहिए।

ii) उसका संपादक संपादन इस प्रकार करे की वह जनउपयोगी हो।

iii) जिसका साक्षात्कार लिया गया हो उससे भी पुष्टि करा लेनी चाहिए।

iv) भाषा को सरल व सहज बनाना चाहिए।

BSER-16/2018

उत्तर

(28). यदि मुझे पत्रकार बनना पड़े तो मैं वाणिज्यिक पत्रकारिता करना चाहूँगा।

वाणिज्यिक पत्रकारिता करने के निम्नलिखित कारण है -

i) वाणिज्यिक पत्रकारिता में देश की अर्थव्यवस्था का ज्ञान होता है।

ii) इसमे मोल - भाव, कीमतों का गिरना - बढ़ना, सर्राफा बाजार का मोल- भाव सभी तथ्यों का आकलन किया जाता है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

iii) देश के सकल घरेलू उत्पाद की जानकारी भी मालूम चलती है।

iv) आयात - निर्यात की आंकड़ो से भी परिचित होने का मौका मिलता है।

उत्तर (29). यात्रा :- यह उस विधा को कहा जाता है जब व्यक्ति किसी नई - नई जगहों व स्थानो का भ्रमण कर रोजमरा की जिंदगी से आराम लेता है -

मोहन - राकेश के यात्रा के संदर्भ में निम्नलिखित विचार है -

द्वारा अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

यात्रा व्यक्ति को रोजमरा की तंग, व्यस्त
i) जिंदगी से आराम देती है।
इसमें व्यक्ति को सुख की अनुभूति
ii) होती है।
वह नई-नई जगहों व स्थानों पर
iii) जाकर उन जगहो का ज्ञान प्राप्त
करता है।
व्यक्ति अपने आप को प्राकृतिक
iv) गोद में संतुष्ट पाता है।
यह उसके ज्ञान भंडार मे वृद्धि
v) करती है।

सैर कर दुनियां की जाफिल
जिंदगानी फिर कहां।
जिंदगानी मिली भी तो
नौजवानी फिर कहां।

P.T.O

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

खण्ड - ख

उत्तर 9.

निंबंध - लेखन

बालिका - शिक्षा

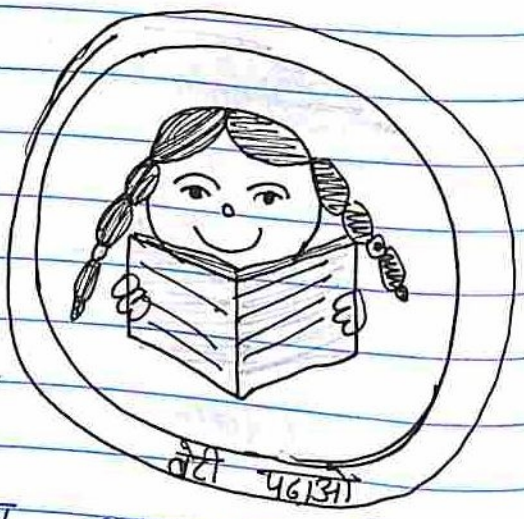

महत्त्वपूर्ण - बिंदु :-

i) प्रस्तावना
ii) बालिकाओं की स्थिती
iii) बालिका शिक्षा
iv) शिक्षा के प्रयत्न
v) उपसंहार

प्रस्तावना :- आज भारत प्रगति की राह पर अग्रसर है। भारत ने सभी क्षेत्रों में अपना परचम लहराया है। परंतु भारत में शिक्षा को लेकर असमंजस्य की स्थिती है अर्थात शिक्षा मे बालक व बालिका में भेद हो रहा है। बालिको को शिक्षा नहीं दी जा रही है क्योंकि पारंपरिक कृत्य इसमें अचड़न डाल रहे है। मनुष्य को चाहे बालक हो या बालिका समान शिक्षा का हक है।

"यत्र पूज्यन्ते नारी, तत्र रमते देवता"

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

बालिकाओं की स्थिती :- भारत में बालिकाओं की स्थिती शोचनीय है। भारत में बालिका को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है जैसे कि कन्या-भ्रूण हत्या, दहेज हत्या, बलात्कार, आदि। इन सबको मिटाने का साधन है, शिक्षा। बालिका को शिक्षा देकर इन सभी समस्याओं से बचाया जा सकता है।

"बेटी बचाओ : बेटी पढ़ाओ"

- बालिका शिक्षा :- बालिका शिक्षा का वर्तमान स्वरूप बदल रहा है। जहां महिला साक्षरता 2001 - 36% थी वह बढ़कर 2015 में 63% हो गई है। अब बालिको को शिक्षा दी जा रही है। उन्हें भी बालक के बराबर दर्जा प्राप्त हो रहा है। अगर महिला साक्षरता बढ़ती है तो इससे महिलाओं में जागरूकता आएगी और उनके खिलाफ होने वाली घटनाओं में कमी आएगी।

- शिक्षा के प्रयत्न :- बालिका शिक्षा के सरकारी प्रयत्न भरपूर तरीको से हो रहे। सरकार बालिकाओं को पढ़ाने के लिए मुक्त शिक्षा

BSER-16.V2018

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

दे रही हैं। इसमें ही बेटी बचाओ: बेटी पढ़ाओ" कदम प्रशंसनीय है। सरकार ने इस योजना को हरियाणा के पानीपत से 22 January 2014 को चलाया था और तब से लेकर अब तब साक्षरता में वृद्धि हो रही है।

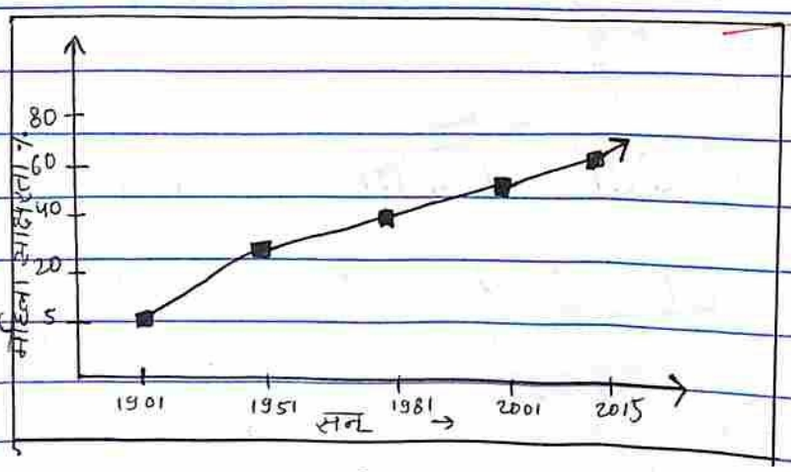

उपसंहार → बालिका शिक्षा से बालिकाओं की स्थिती में सुधार आएगा। जब मनुष्य एक समान पैदा होता है तो फिर शिक्षा में भेदभाव क्यों? अतः सरकार के प्रयास निरंतर इसको बढ़ाने में लगे हुए है परंतु सबको इस समस्या के लिए आगे आना पड़ेगा और बालिका शिक्षा को बढ़ाना होगा। लड़की एक घर नहीं दो घरों को उज्वल करती हैं।

द्वारा अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

समाप्त

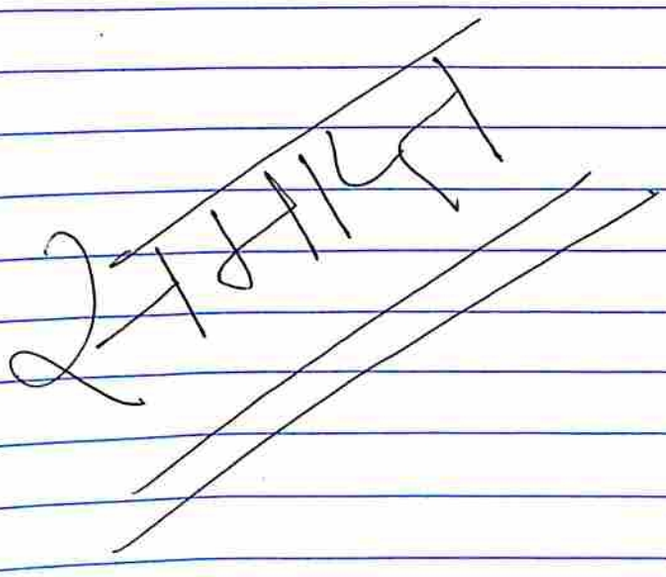

BSER-1-3/2018